Seventeenth Loksabha

>

Ttile: Need to provide three helicopters for undertaking relief operations in Leh-Kargil regionswhere roads have been blocked due to heavy snowfall.

श्री जामयांग त्सेरिंग नामग्याल (लद्दाख): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया ।

मैं लद्दाख यूनियन टेरिटरी से आता हूं, जो सबसे बड़ी, दुर्गम और बर्फीली लोक सभा कांस्टीटुएंसी है । इस लोक सभा कांस्टीटुएंसी में सर्दी में बर्फबारी और हार्श क्लाइमेटिक कंडीशन्स की वजह से कारगिल डिस्ट्रिक्ट में जांजस्कार के शुनशादे से अक्षु अभ्रन तक, द्रास बटालिक, सांगकु से थैला इचु गांव और लेह डिस्ट्रिक्ट के नोपरा, चांगथांग और विशेष रूप से सिंगेलालो में रोड कनैक्टिविटी बंद हो जाती है, लैंड लॉक हो जाती है । सर्दी में इस वजह से केवल अपने डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर से ही नहीं बल्कि ब्लॉक तहसील हैडक्वार्टर से भी यह रास्ता चार-पांच महीने के लिए बंद हो जाता है । इस कारण सरकार की ओर से जो स्कीम्स, प्रोजेक्ट्स और डैवलपमेंटल एक्टिविटीज चलाई जाती हैं, यहां तक नहीं पहुंच पाती हैं । साथ ही रिलीफ मैटीरियल भेजना होता है या और कुछ भेजना होता है, नहीं भेज पाने के कारण लोग बहुत परेशान होते हैं ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे क्षेत्रों को सुविधाएं देने के लिए तीन हैलीकॉप्टरों की जरूरत है । इसलिए, मैं आपके माध्यम से सरकार से एक बार फिर से निवेदन करना चाहूंगा कि ऐसे क्षेत्रों में तुरंत साधन पहुंचाने के लिए तीन हेलिकॉप्टरों की जरूरत है । मैं आपके माध्यम से गृह मंत्रालय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि इन क्षेत्रों में तीन हेलिकॉप्टर- एक लेह के लिए, एक कारगिल के लिए और एक इमरजेंसी के तौर पर सैंक्शन करके दें । लेह-मनाली और लेह-जोजिला दो तरफ रोड नेटवर्क रहता है । सर्दी में ये दोनों रोड नेटवर्क बंद रहते हैं । सोनमर्ग में कभी बर्फ होती है कभी नहीं होती

है, लेकिन सोनमर्ग में लद्दाख के करीब 300 से ज्यादा व्हीकल्स 15-20 दिनों से स्ट्रैंडेड हैं । वहां का एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस उन लोगों के साथ भेदभाव करती है । लद्दाख के सिविलियन, जो वहां स्ट्रैंडेड हैं, उनके पास खाने के लिए जेब में पैसा नहीं है । उन लोगों को डंडा मारकर वहां से वापस लेह की बजाय श्रीनगर की तरफ भगा रहे हैं । सेलेक्टेड गाड़ियों को लेह और लद्दाख की तरफ छोड़ रहे हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि माननीय गृह मंत्री जी इस मामले में पर्सनली इंटरवीन करें और उन लोगों को जल्द से जल्द सोनमर्ग से कारगिल लेह की तरफ भिजवाने की कृपा करें ।